मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 278, मुंबई, गुरुवार, 9 जनवरी, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

अजित पवार का 'ऑपरेशन घड़ी'

शरद पवार के इन 7 सांसदों को तोड़ने की साजिश नाकाम, मचा बवाल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में बीजेपी के ऑपरेशन लोटस के बाद अब डिप्टी सीएम अजित पवार ने 'ऑपरेशन घड़ी' के तहत अपने चाचा शरद पवार की पार्टी में एक बार फिर सेंध लगाने की कोशिश की। सूत्रों के मुताबिक अजित की तरफ से उनके सांसद सुनील तटकरे ने बड़े पवार के 7 सांसदों को तोड़ने का बड़ा गेम खेला लेकिन इसमें वे सफल नहीं हुए। ऐसा दावा किया जा रहा है कि तटकरे ने कथित रूप से पवार गुट के सांसदों से कहा कि वे पिता-पुत्री को छोड़कर उनकी पार्टी में शामिल हो जाएं, पवार गुट के सांसद अमर काले ने एक बड़ा दावा कहा कि हमारी पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने वाली सोनिया दुहन हमारे संपर्क में थीं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

आव्हाड ने जताई नाराजगी

पवार गुट के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने कहा कि एक तरफ दोनों गुट के एक साथ आने की बात कही जाती है तो दूसरी तरफ हमारे सांसदों को तोड़ने की साजिश रची जा रही है। तटकरे हमारे सांसदों से कह रहे हैं कि पिता-पुत्री को छोड़ो और हमारे पास आओ। इससे साफ है कि तटकरे खुद नहीं चाहते कि दोनों पवार फिर से एक हो जाएं।

धनंजय मुंडे की बढ़ी मुश्किलें

एक-एक कर सामने आ रहे सारे काले कारनामे, अब सारंगी महाजन आईं सामने

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। बीड जिले के संतोष देशमुख हत्याकांड मामले से धनंजय मुंडे का नाम अभी साफ भी नहीं हुआ है और उन पर लगातार नए आरोप लगाए जा रहे है। इन आरोपों के कारण अब महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे की मुश्किलें थम ही नहीं रही हैं। हाल ही में बुधवार को दिवंगत भाजपा नेता प्रमोद महाजन ने उन पर जमीन हड़पने का आरोप लगा दिया है। उनका कहना है कि उनके एक करीबी रिश्तेदार ने उन पर बीड जिले में 3.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की डेढ़ एकड़ जमीन हड़पी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि इस जमीन की कीमत लगभग 3.5 करोड़ रुपये से भी अधिक थी। लेकिन धनंजय मुंडे द्वारा दबाव बनाया गया और इसे सिर्फ 21 लाख रुपये में खरीद लिया गया।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

एचएमपीवी वायरस चिंता की बात नहीं...

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने जनता को दिलाया भरोसा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। चीन में जब से नए वायरस एचएमपीवी के बारे में पता चला है तब से देश और दुनियाभर के देशों में फिर से एक बार कोरोना जैसे नए वायरस की शंका पैदा हो गई है। हालांकि, इस वायरस को इतना खतरनाक नहीं माना जा रहा है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) वायरस को लेकर चिंताओं के बीच, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने बुधवार को लोगों को आश्वस्त किया कि राज्य का स्वास्थ्य विभाग इस मामले में कुशलता से काम कर रहा है और किसी को भी इसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने दोहराया कि एचएमपीवी का यह वैरिएंट उतना मजबूत नहीं है और देश पहले ही कोरोना जैसे समस्याग्रस्त वायरस से निपट चुका है। पत्रकारों से बात करते हुए, महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री प्रकाश अबितकर ने कहा, हमने पहले भी कहा है कि यह वैरिएंट मजबूत नहीं है। हमने कोरोना जैसे समस्याग्रस्त वायरस से निपटा है। हमारा स्वास्थ्य विभाग इस मामले में कुशलता से काम कर रहा है। किसी को भी चिंता करने की जरूरत नहीं है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

गड़चिरोली में 2 महिला नक्सलियों ने किया सरेंडर

दोनों पर थ 10 लाख का इनाम

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। सरकार द्वारा वर्ष 2005 से घोषित किए आत्मसमर्पण योजना के चलते और हिंसाचार के जीवन से तंग आग वरिष्ठ माओवादी समेत अनेक खूंखार नक्सलियों ने अब तक जिला पुलिस सामने आत्मसमर्पण किया है। इसके साथ ही आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का पुलिस दल द्वारा पुनर्वसन किये जाने से अब तक करीब 693 नक्सलियों ने जिला पुलिस दल के सामने आत्मसमर्पण किया है। ऐसे में बुधवार को गडचिरोली में दो महिला नक्सलियों ने जिला पुलिस दल और सीआरपीएफ के सामने आत्मसमर्पण किया है।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

7 दिनों में 13 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

जिला पुलिस दल द्वारा नक्सल विरोधी अभियान चलाए जाने और सरकार की आत्मसमर्पण योजना के तहत स्वर्ण मौका मिलने के कारण सम्मानपूर्वक जीवन जीने के लिये वर्ष 2022 से अब तक कुल 46 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। विशेषतः शुरू वर्ष के पहले ही सप्ताह में 13 नक्सलियों ने सरेंडर किया। जिनमें 1 जनवरी को राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के सामने 11 नक्सलियों ने सरेंडर किया।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पारदर्शिता पर परदा

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से दो हफ्तों के अंदर बताने को कहा है कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति करने की अधिकतम अवधि उसने क्या तय कर रखी है? क्या केंद्र इस नोटिस को गंभीरता से लेगा और इसका तत्परता से जवाब देगा?

नरेंद्र मोदी के शासनकाल में सूचना का अधिकार कानून कितना खस्ताहाल है, उसका संकेत सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से मिला है। कोर्ट ने केंद्रीय एवं राज्य सूचना आयोगों में खाली पदों को लेकर चिंता जताई और कहा-इस तरह संस्थाओं को निष्क्रिय बना कर सरकारें सूचना के अधिकार कानून 2005 को बेअसर नहीं बना सकतीं। किसी अधिनियम के जरिए संस्थाएं स्थापित करने का क्या मकसद रह जाएगा, अगर उन्हें कामकाजी अवस्था में ना रखना हो? मगर केंद्र और राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की चिंता है, ऐसा नहीं लगता। सर्वोच्च न्यायालय ने 2019 में दिए अपने आदेश में मुख्य सूचना आयुक्तों एवं सूचना आयुक्तों की नियुक्ति की विस्तृत समयसारणी तय की थी। साथ ही नियुक्ति की पारदर्शी प्रक्रिया भी उसने निश्चित कर दी थी। लेकिन पांच साल गुजर गए, सरकारों ने उस समयसारणी या नियुक्ति प्रक्रिया को ताक पर डाल रखा है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट अब उसी नाअमली के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा है। याचिका में दावा किया गया है कि आरटीआई कानून के खिलाफ केंद्र एवं राज्य सरकारों ने प्रतिगामी नजरिया अपना रखा है। आम तजुर्बा भी यही है। सरकारों की ज्यादा मेहनत इसी दिशा में रहती है कि यह कानून अधिक से अधिक बेअसर बना रहे। तो अब जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की बेंच ने केंद्र से दो हफ्तों में बताने को कहा है कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति करने की अधिकतम अवधि उसने क्या तय कर रखी है? प्रश्न यह है कि क्या केंद्र इस नोटिस को गंभीरता से लेगा और इसका तत्परता से जवाब देगा? लोकतांत्रिक नजरिए से देखें, तो आरटीआई कानून का बनना गुजरे दशकों में भारतीय लोकतंत्र को सशक्त करने वाला सबसे प्रभावशाली कदम साबित हुआ। इससे सरकारों और प्रशासन को निर्णय एवं अमल की प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने के लिए मजबूर करने का औजार नागरिकों के हाथ में आया। लाजिमी है कि उसे भोथरा करने का प्रयास आरंभ से शुरू किया गया, जिसमें अब काफी कामयाबी मिल चुकी है। अब देखने की बात यह है कि क्या सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से इस औजार को फिर से धार मिल पाती है?

सांप्रदायिकता, हिंसा, गरीबी, पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में सबसे आगे रहा है एम आई एम सी

महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र (एम आई एम सी) ने नए साल 2025 की शुरूआत के उपलक्ष्य में महाकरुणा दिवस मनाया

मुंबई हलचल/संवाददाता

लद्दाख। महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र (एम आई एम सी) ने लेह के होटल ग्रैंड ड्रैगन में नए साल 2025 की शुरूआत के उपलक्ष्य में महाकरुणा दिवस मनाया। यह कार्यक्रम महाकरुणा (महान करुणा) के प्रति (एम आई एम सी) की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ता है, जो भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का सार है। तीन दशकों से अधिक समय से, (एम आई एम सी) अपने परिवर्तनकारी सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से सांप्रदायिकता, हिंसा, गरीबी, पर्यावरण क्षरण और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने में सबसे आगे रहा है।

ये पहल संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा और इसके 17 सतत विकास लक्ष्यों के साथ निकटता से जुड़ी हुई हैं, जो (एम आई एम सी) को आज की दुनिया में आशा और बदलाव की किरण बनाती हैं। इस वर्ष के महाकरुणा दिवस में (एम आई एम सी) के प्रभावशाली कार्यक्रमों, करुणा के प्रेरक संदेशों और अधिक टिकाऊ और सामंजस्यपूर्ण भविष्य के लिए सामूहिक दृष्टिकोण की मुख्य झलकियाँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें प्रसिद्ध जैन संत और अहिंसा विश्व भारती, नई दिल्ली के अध्यक्ष आचार्य डॉ. लोकेश मुनि, एलएएचडीसी लेह के ईसी स्टैनज़िन चोसफेल, जिला सत्र न्यायाधीश सुश्री स्पलजेस एंगमो, एलबीए के अध्यक्ष चीयरिंग दोरजे लकरूक और लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. मेहता शामिल थे। विभिन्न संगठनों के धार्मिक प्रमुखों के साथ-साथ एमआईएमसी के कर्मचारी, पूर्व छात्र और समर्थक भी मौजूद थे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य व्यक्तियों के वीडियो संदेश शामिल थे, जिसमें एमआईएमसी की पहल के वैश्विक महत्व पर और अधिक जोर दिया गया। वक्ताओं ने एमआईएमसी के संस्थापक आदरणीय भिक्खु संघसेना को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और मानवीय और आध्यात्मिक सेवा में उनके अथक प्रयासों के लिए गहरी प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने समकालीन चुनौतियों का समाधान करने और समुदायों में शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने में करुणा के महत्व पर भी बात की।महाकरुणा दिवस समारोह ने मानवता को बेहतर दुनिया के लिए मार्गदर्शक सिद्धांतों के रूप में करुणा, समावेशिता और पारिस्थितिक देखभाल को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए (एम आई एम सी) के समर्पण को प्रदर्शित किया।

अपने मानवीय और आध्यात्मिक प्रयासों के माध्यम से, (एम आई एम सी) करुणा और सतत विकास का संदेश फैलाते हुए उदाहरण के रूप में नेतृत्व करना जारी रखता है। महाबोधि अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्र (एमआईएमसी) द्वारा महाकरुणा दिवस का आयोजन, उनकी करुणा और सतत विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह न केवल भगवान बुद्ध की शिक्षाओं का सार है, बल्कि वर्तमान वैश्विक चुनौतियों–जैसे सांप्रदायिकता, गरीबी, और पर्यावरणीय क्षरण–के समाधान में भी प्रेरणादायक भूमिका निभा रहा है। नए साल 2025 के स्वागत में, एमआईएमसी ने स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय समुदायों को करुणा, शांति, और टिकाऊ भविष्य के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में विविध क्षेत्रों के नेताओं की उपस्थिति और उनके संदेशों ने करुणा को सामाजिक और वैश्विक बदलाव के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में प्रस्तुत किया। एमआईएमसी के संस्थापक, आदरणीय भिक्खु संघसेना, को उनके योगदान के लिए सम्मानित करना और उनके जन्मदिन को समारोह का हिस्सा बनाना, यह दर्शाता है कि व्यक्तिगत प्रयासों के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर सकारात्मक परिवर्तन लाए जा सकते हैं। महाकरुणा दिवस जैसे कार्यक्रम यह सिद्ध करते हैं कि करुणा और सहयोग के माध्यम से मानवता न केवल अपनी वर्तमान समस्याओं का समाधान कर सकती है, बल्कि आने वाले समय में एक स्थायी और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण भी कर सकती है।

गौशाला चुनाव में जीत से बढ़ा कल्पना सिंह का कद जीत के बाद जयनगर अनुमंडल और खजौली-बाबूबरही विधानसभा की राजनीति में कल्पना सिंह की मजबूत दस्तक

मुंबई हलचल/संवाददाता

मधुबनी। श्रीकृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर चुनाव का फाइनल परिणाम घोषित कर दिया गया है और इसमें चुनाव लड़ रही एकमात्र महिला कल्पना सिंह ने बड़े-बड़े धुरंधरों को परास्त करते हुए मजबूत उपस्थिति दर्ज की है। एकमात्र महिला प्रत्याशी रही कल्पना सिंह ने सभी 16 प्रत्याशियों में सर्वाधिक मत प्राप्त कर जयनगर अनुमंडल और खजौली विधानसभा क्षेत्र की राजनीति में मजबूती से दस्तक दे दी है। उनका ध्यान बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र पर भी है। जो भी हो उन्होंने श्रीकृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर के चुनाव परिणाम में सभी धुरंधरों में सर्वाधिक मत प्राप्त कर इतिहास रच दिया है। इतना ही

नहीं गौशाला के सभी 09 समिति पदों पर कल्पना सिंह के पैनल के ही सभी 09 प्रत्याशी विजयी हुए हैं, यह भी कल्पना सिंह की ही जीत है और इससे कल्पना सिंह ने जयनगर अनुमंडल की राजनीति में तहलका मचा दिया है। अब कल्पना सिंह का कद अचानक से बढ़ गया है और महिला राजनीति के साथ ही सामान्य राजनीति में भी जयनगर अनुमंडल और खजौली तथा बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र में हलचल बढ़ गया है। कल्पना सिंह की नजर अब श्रीकृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर के सचिव पद पर है और यदि वह इस किले को भी पार पा लेती है तो पुरुषों के वर्चस्व वाले राजनीति में उनका पकड़ और मजबूत हो जायेगा। वे 2025 में विधानसभा चुनाव लड़ने की मजबूती से तैयारी कर रही है और उपरोक्त दोनों विधानसभा क्षेत्र में उनका जनसंपर्क अभियान जारी है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मोदी और शाह अमर नहीं...

बीजेपी को देना होगा हिसाब, 'सामना' ने दिल्ली चुनाव को लेकर भाजपा पर उठाए गंभीर सवाल

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना ने अब भारतीय जनता पार्टी के रूख पर अब कटाक्ष किया है। एक ओर जहां महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की जा रही थी वहीं अब दूसरी ओर दिल्ली चुनाव को लेकर बीजेपी को निशाना बनाया जा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना द्वारा प्रकाशित संपादकीय में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा गया है, जिसमें पार्टी पर आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए गंभीर राष्ट्रीय मुद्दों की उपेक्षा करने का आरोप लगाया गया है। संपादकीय के अनुसार, दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। 5 फरवरी को मतदान होगा और 8 फरवरी को नतीजे घोषित किए जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह और भाजपा के केंद्रीय मंत्रियों ने खुद को इस चुनाव में पूरी तरह झोंक दिया है।

दिनदहाड़े हत्याओं को मांगा जवाब

सामना के संपादकीय में लिखा गया है, भाजपा का लक्ष्य अरविंद केजरीवाल को हराना और दिल्ली विधानसभा पर कब्जा करना है। इस बीच, चीन ने लद्दाख में घुसपैठ कर दो गांवों को बसा लिया है। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों ने 10-15 पुलिस अधिकारियों की हत्या कर दी है। मणिपुर में हिंसा लगातार जारी है। महाराष्ट्र जैसे राज्य में दिनदहाड़े हत्याएं हो रही हैं और हत्यारों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है। प्रकाशित संपादकीय में भाजपा पर आम आदमी पार्टी (आप) को हराने के लिए चरम उपायों का सहारा लेने का आरोप लगाया गया है। कुल मिलाकर, भाजपा की नीति यह प्रतीत होती है कि इन गंभीर मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना मूर्खता है, और दिल्ली में आम आदमी पार्टी को हराना सबसे महत्वपूर्ण मामला है। भाजपा ने इसे हासिल करने के लिए किसी भी हद तक जाने का फैसला किया है। भाजपा का दृष्टिकोण यह है कि वे हर जगह जीतेंगे और सत्ता में बैठेंगे। संपादकीय में तर्क दिया गया है कि भारत में लोकतंत्र का एक नया रूप जड़ जमा चुका है, जो संदिग्ध साधनों के माध्यम से हर राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को खत्म करने पर केंद्रित है। संपादकीय में कहा गया है, देश में लोकतंत्र का एक नया रूप उभरा है, जो एक भी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को जीवित नहीं छोड़ना चाहता है, और इसका प्रत्यक्ष उदाहरण महाराष्ट्र और हरियाणा में देखा गया था। अब, दिल्ली की बारी है।

बेईमानी से हासिल की जीत

संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली की मतदाता सूची में विसंगतियां हैं और आम आदमी पार्टी (आप) ने शिकायत की है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के नागरिकों को रोहिंग्या या बांग्लादेशी बताकर सूची से हटा दिया गया है। संपादकीय के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार इनकार में हैं और उन्होंने सवाल किया, राजीव कुमार किस दुनिया में रह रहे हैं? क्या ईवीएम घोटाले के बाद ट्रंप को अमेरिकी राष्ट्रपति नहीं चुना गया था? संपादकीय में टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के दावों का हवाला दिया गया है कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है और अमेरिका में ऐसे कई उदाहरण दिए गए हैं, जहां चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी पर सवाल उठाए गए हैं। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र ने आगे बढ़कर भाजपा पर बेईमानी से जीत हासिल करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा, भारतीय जनता पार्टी यानी मोदी-शाह की जीत कभी भी सीधी नहीं होती। उन्होंने हर जीत कुटिल तरीकों से हासिल की है, अक्सर सिस्टम में हेराफेरी करके। इसने 2019 के महाराष्ट्र चुनावों का हवाला दिया, जहां भाजपा ने कथित तौर पर 132 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन 120 सीटों पर सिमट गई, जिसे शिवसेना (यूबीटी) ने विसंगति बताया। शिंदे गुट ने महाराष्ट्र में 58 सीटें जीतने के लिए कौन सा असाधारण काम किया? संपादकीय में शिवसेना के उस धड़े का जिक्र किया गया है जो भाजपा में शामिल हो गया।

मोदी और शाह अमर नहीं

शिवसेना (यूबीटी) ने चुनाव आयोग पर महाराष्ट्र के राजनीतिक संकट में पक्षपातपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया, खास तौर पर ठाणे में शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी धड़े को शिवसेना का धनुष-बाण चुनाव चिह्न देने के फैसले पर। संपादकीय में ईसीआई पर कटाक्ष करते हुए लिखा गया, शरद पवार के जीवनकाल में उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का घड़ी चिह्न अजित पवार को दे दिया, उन्हें पारदर्शिता और नैतिकता की बात नहीं करनी चाहिए। संपादकीय के अनुसार, हालांकि, उन्हें (ईसीआई) यह याद रखना चाहिए कि मोदी और शाह अमर नहीं हैं; उन्हें अपने कार्यों का हिसाब देना होगा। इसलिए, समय बदलेगा और सभी को अपने पापों का जवाब देना होगा। दिल्ली विधानसभा चुनाव भाजपा के पतन की चिंगारी साबित हो सकते हैं।

दो बच्चों से ज्यादा होने पर अधिकारी को धोना पड़ा नौकरी से हाथ, सेवानिवृत्ति से ठीक पहले मामला आया सामने

पुणे। सरकारी नौकरी होने के साथ ही ये अधिकारी के पास दो बच्चों से ज्यादा बच्चे न रखने का नियम भी लागू किया गया है। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवाड़ नगर निकाय के सहायक आयुक्त स्तर के एक अधिकारी को अपने तीसरे बच्चे के बारे में जानकारी छिपाने का कथित तौर पर दोषी पाए जाने पर नौकरी से हाथ धोना पड़ा। अधिकारी को महाराष्ट्र सिविल सेवा नियमावली के तहत दो बच्चों के नियम के कथित उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था और यह उनकी सेवानिवृत्ति से ठीक एक महीने पहले सामने आया था। पीसीएमसी के आयुक्त शेखर सिंह ने पीसीएमसी के सामाजिक विकास विभाग के सहायक आयुक्त श्रीनिवास डांगट की सेवाएं समाप्त करने का आदेश 7 जनवरी को जारी किया गया था। डांगट ने बुधवार को यह दावा किया किवनवन, उन्होंने अपने तीसरे बच्चे के बारे में कभी कोई जानकारी किसी से नहीं छिपाई तथा वह अपनी बर्खास्तगी के खिलाफ उचित प्राधिकारी के सामने अपील करेंगे। आदेश में यह भी कहा गया कि डांगट को महाराष्ट्र सिविल सेवा (छोटे परिवार की घोषणा) नियम, 2005 के तहत 2 बच्चों के नियम का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया था। पीसीएमसी अधिकारियों के अनुसार, डांगट के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत के बाद आंतरिक जांच की गई। आदेश में कहा गया कि 2013 में प्रशासनिक अधिकारी के तौर पर शामिल हुए डांगट को महाराष्ट्र सिविल सेवा (छोटे परिवार की घोषणा) नियम, 2005 के तहत एक हलफनामा देना चाहिए था लेकिन लगातार याद दिलाने के बावजूद वह उक्त हलफनामा जमा नहीं करा पाए, जिसके कारण नगर निकाय ने उनके खिलाफ जांच शुरू की थी।

सूचित करने का किया दावा

डांगट ने 1989 में लिपिक के तौर पर पीसीएमसी में काम करना शुरू किया था। 2013 में परीक्षा पास करके वह प्रशासनिक अधिकारी बने। बाद में उन्हें सहायक आयुक्त के पद पर पदोन्नत किया गया। डांगट ने दावा किया कि उन्होंने 2011 में अपने तीसरे बच्चे के जन्म के बारे में नगर निकाय को सूचित किया था।

निर्देशक अजहर हुसैन को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय आयोग की ओर से समाज रत्न सम्मान पुरस्कार मिला। यह सम्मान महाराष्ट्र राज्य के पुलिस महानिरीक्षक श्री मोहन राठौड़ और मुंबई के सहायक पुलिस आयुक्त संजय पाटिल के हाथों प्रदान किया गया। मानव सेवा फाउंडेशन (भारत) जीत कपूर फाउंडेशन यादों की बारात सीजन '73 जीत कपूर और उनकी टीम द्वारा एक संगीतमय शो आयोजक-जीत कपूर (पार्श्व गायक) अखिलेश चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष (मानव सेवा फाउंडेशन और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एनएचआरएसजेसी)

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अजित का 'ऑपरेशन घड़ी'

उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर आप विकास का काम करना चाहते हैं तो आपके पास एनडीए में शामिल होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। इसलिए हम सभी को अजित पवार की पार्टी में शामिल होने का ऑफर दिया गया, मेरे अलावा निलेश लंके, धैर्यशील मोहिते पाटिल, बजरंग सोनवणे समेत अन्य सांसदों से भी संपर्क किया गया था। काले ने कहा कि हम लोगों ने इसकी शिकायत शरद पवार और सुप्रिया सुले से की है। अजित गुट के सांसद तटकरे ने कहा कि मेरे बारे में विपक्ष के नेता गलत दावे कर रहे हैं। मैंने किसी भी सांसद से अपनी पार्टी में आने के लिए संपर्क नहीं किया। तटकरे ने पवार गुट के सांसद काले के दावे को खारिज करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में हैं। ऐसे में किसी भी सांसद को सोनिया दुहन अब ऑफर देने के लिए में दुहन से संपर्क क्यों करूंगा। उन्होंने अपने बारे में किए जा रहे सभी दावों को बेबुनियाद बताया। पार्टी सांसदों को तोड़ने की साजिश से राकां सांसद सुप्रिया सुले भड़की हुई है। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने अजित गुट के सीनियर नेता प्रफुल पटेल को फोन कर तटकरे को लेकर नाराजगी जताई।

एचएमपीवी वायरस चिंता की बात नहीं...

इससे पहले 8 जनवरी को, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक अधिकारी मार्गरेट हैरिस ने कहा कि आम श्वसन संक्रमणों की संख्या में वृद्धि, सर्दियों और वसंत के दौरान आम है। उन्होंने आगे कहा कि चीनी रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र के अनुसार, रोग पैदा करने वाले रोगजनक ज्ञात हैं। उन्होंने कहा, वास्तव में देश में सामान्य श्वसन संक्रमणों की संख्या में वृद्धि हुई है और सर्दियों के दौरान यह पूरी तरह से अपेक्षित है। चीन में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी और गंभीर श्वसन संक्रमणों के लिए एक निगरानी प्रणाली है। विशेष रूप से, देश में एचएमपीवी के पांच मामले सामने आए हैं, जिनमें से दो मामले बेंगलुरु में, एक अहमदाबाद में और दो संदिग्ध मामले नागपुर में हैं।

धनंजय मुंडे की बढ़ी मुश्किलें

इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रमोद महाजन की भाभी सारंगी महाजन ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री धनंजय मुंडे के इस्तीफे की मांग की। ये पहली बार नहीं है इन दिनों चारों ओर से धनंजय मुंडे से इस्तीफा देने के लिए कहा जा रहा है। आपको बताते चले कि धनंजय मुंडे पहले से ही अपने जिले बीड में दिसंबर में मसाजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में आलोचनाओं से घिरे हुए है। अब उन पर उसी जिले बीड जिले में जमीन हड़पने का भी आरोप लगया जा रहा है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ गई हैं। 3.5 करोड़ रुपये की जमीन 21 लाख रुपये में हासिल किए जाने के मुद्दे पर सारंगी महाजन ने मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात भी की।

गड़चिरोली में 2 महिला नक्सलियों ने किया सरेंडर

समर्पित महिला नक्सलियों में एटापल्ली तहसील के गट्टेपल्ली निवासी कंपनी क्रमांक 10 पीपीसीएम/सेक्सन कमांडर शामला झुरु पुडो ऊर्फ लीला और भामरागड़ तहसील के नेलगुंडा निवासी भामरागड दलम सदस्य काजल मंगरु वड्डे ऊर्फ लिम्मी का समावेश है। दोनों महिला नक्सलियों पर सरकार द्वारा 10 लाख रुपए का इनाम रखा गया था।

खबर संक्षेप

भरूच में कार-ट्रक की टक्कर, 3 की मौत

भरूच। गुजरात के भरूच जिले में बुधवार तड़के एक हाईवे पर कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई, इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। हादसा इतना ज्यादा खतरनाक था कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसा मुंबई-अहमदाबाद हाइवे पर तड़के करीब 3.30 बजे अंकलेश्वर शहर के पास हुई। इसमें 3 लोगों ने जान गंवा दी है और 4 घायल हो गए हैं।

एचएमपीवी के 9 केस मुंबई में बच्ची संक्रमित

मुंबई। चीन में कहर मचा रहे कोरोना वायरस जैसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के मामले अब भारत में मिलने लगे हैं। देश में अब तक इसके 9 केस सामने आए हैं। नौवां केस बुधवार को मुंबई में मिला है। यहां 6 महीने की बच्ची संक्रमित है। खांसी, सीने में जकड़न और ऑक्सीजन लेवल गिरने से भर्ती किया गया था।

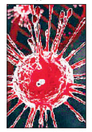

पटरी पर दरवाजा फेंका दो आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर। यूपी के सहारनपुर में जीआरपी ने टपरी जंक्शन के पास रेलवे ट्रैक पर भारी लोहे का भारी दरवाजा फेंकने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद विधिक कार्यवाही के तहत उन्हें जेल भेज दिया गया। दोनों की पहचान शेखपुरा के सोनू और वारिस के रूप में हुई है।

केंद्र ने एआई टच के वित्त पोषण को मंजूरी दी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एआई-संचालित 5-जीआरएएन प्लेटफॉर्म को विकसित करने एआई टच को वित्त पोषण की मंजूरी दे दी है। यह नेटवर्क में दक्षता लाएगी। आरएएन इंटेलिजेंट कंट्रोलर, सर्विस मैनेजमेंट एंड ऑर्केस्ट्रेशन और नेटवर्क डेटा एनालिटिक्स फंक्शन मिलेगा।

पीएम मोदी ने किया आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में रोड शो

रेलवे-सड़क प्रोजेक्ट का उद्घाटन-शिलान्यास किया और ग्रीन हाइड्रोजन की भी सौगात दी

कतारों में खड़े लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकारा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में एक भव्य रोड शो किया। इस दौरान उनके साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और डिप्टी सीएम पवन कल्याण भी मौजूद थे। रोड शो के दौरान लोगों ने सड़क के दोनों ओर लंबी कतारों में खड़े होकर प्रधानमंत्री का स्वागत किया। पीएम ने भी हाथ हिलाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इससे पहले प्रधानमंत्री के विशाखापत्तनम पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी ने विशाखापत्तनम के पास पुदिमडाका में एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड का ग्रीन हाइड्रोजन हब प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। यह प्रोजेक्ट राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत बनने वाला पहला ग्रीन हाइड्रोजन हब है। इस परियोजना में लगभग 1 लाख 85,000 करोड़ का निवेश होगा, जिसमें 20 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का विकास शामिल है।

ग्रीन हाइड्रोजन हब में 1 लाख 85,000 करोड़ का निवेश

प्रतिदिन 1500 टन ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन होगा

यह भारत की सबसे बड़ी ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन सुविधाओं में से एक, जहां प्रतिदिन 1500 टन ग्रीन हाइड्रोजन और 7500 टन ग्रीन हाइड्रोजन से बने उत्पाद निकलेंगे।

चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारा

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे के तहत कृष्णपट्टनम औद्योगिक क्षेत्र (केआरआईएस सिटी) का भी शिलान्यास किया। यह परियोजना राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत एक प्रमुख परियोजना है और इसे एक हरित औद्योगिक स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसमें लगभग 10,500 करोड़ रुपए का निवेश होगा और यह प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 1 लाख नौकरियां सृजित करेगा। इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास और लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा।

साउथ कोस्ट रेलवे मुख्यालय का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री ने आंध्र प्रदेश में 19,500 करोड़ की लागत वाली रेलवे और सड़क परियोजनाओं का भी उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें साउथ कोस्ट रेलवे मुख्यालय का शिलान्यास भी शामिल है। ये परियोजनाएं कनेक्टिविटी में सुधार करेंगी, भीड़भाड़ कम करेंगी और क्षेत्रीय सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगी।

नक्कापल्ली में बल्क ड्रग पार्क का किया शिलान्यास : प्रधानमंत्री ने नक्कापल्ली में एक बल्क ड्रग पार्क का शिलान्यास भी किया। विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे और विशाखापत्तनम-काकीनाडा पेट्रोलियम और रसायन निवेश से आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

13 को घाटी जाएंगे पीएम

श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड मोड़ सुरंग को करेंगे लोकार्पित

जम्मू-कश्मीर में एक के बाद विकास परियोजनाओं को शिलान्यास के बाद अब उद्घाटन होने लगा है। पीएम मोदी 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के दौरे पर रहेंगे। वे श्रीनगर-सोनमर्ग मार्ग पर जेड मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे, ताकि सोनमर्ग को सभी मौसमों में पर्यटन स्थल बनाया जा सके। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जेड मोड़ सुरंग गगनगीर से सोनमर्ग तक सड़क को बाईपास करेगी, जिससे आगंतुक और स्थानीय लोग पूरे साल हिल स्टेशन का दौरा कर सकेंगे। वर्तमान में सड़क का गगनगीर-सोनमर्ग खंड भारी बर्फबारी और हिमस्खलन के कारण अवरुद्ध हो जाता है। जेड मोड़ सुरंग जम्मू और कश्मीर के गांदरबल जिले में गगनगीर और सोनमर्ग के बीच 6.5 किलोमीटर लंबी 2-लेन वाली सड़क सुरंग है। इसका नाम सड़क के जेड आकार के खंड के नाम पर रखा गया है, जिसे सुरंग में बदल दिया है।

ममता समेत कई ने किया आप का समर्थन

अखिलेश ने दिया झटका कांग्रेस पड़ी अलग-थलग

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का चुनाव के लिए सियासी रण सज चुका है। इस बार के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला माना जा रहा है। इस बीच, लोकसभा चुनाव-24 में आईएनडीआईए गठबंधन का हिस्सा रही कांग्रेस अब दिल्ली चुनाव से पहले अलग-थलग पड़ रही है।

विपक्षी गठबंधन में शामिल ममता बेनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी को समर्थन देने का ऐलान किया है। इससे पहले, समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) भी दिल्ली चुनाव में आम आदमी पार्टी का समर्थन करने की घोषणा कर चुकी है।

केजरीवाल ने कहा थैंक्यू दीदी

इस संबंध में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता को शुक्रिया कहा है। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, टीएमसी ने दिल्ली चुनाव में आप को समर्थन देने की घोषणा की है। मैं व्यक्तिगत रूप से ममता दीदी का आभारी हूं। धन्यवाद दीदी। आपने हमेशा हमारे अच्छे और बुरे समय में हमारा साथ दिया है और आशीर्वाद दिया है। उधर, कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ दिल्ली के दंगल में कूद चुकी है और पार्टी के नेता लगातार आम आदमी पार्टी और भाजपा पर हमला बोला रहे हैं। यहां तक कि कांग्रेस नेता अरविंद केजरीवाल को देशद्रोही तक कह चुके हैं।

कांग्रेस अब लाई 25 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा की गारंटी

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ बुधवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए दूसरी चुनावी घोषणा की है। दिल्ली के हर नागरिक के लिए राजस्थान की तर्ज पर 25 लाख रुपये के स्वास्थ्य बीमा योजना की घोषणा की है। इसके पहले, छह जनवरी को पार्टी ने प्यारी दीदी के तहत 2500 रुपए प्रतिमाह महिलाओं को देने की चुनावी घोषणा की थी। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस 70 में से 48 प्रत्याशी तो घोषित कर ही चुकी है, शेष 22 प्रत्याशी भी जल्द ही घोषित कर दिए जाने की संभावना लग रही है। पार्टी सूत्रों की मानें तो प्रत्याशियों की अगली सूची इसी सप्ताह आ सकती है।

भारत ने बांग्लादेश का आग्रह ठुकराया

देश में ही रहेंगी बांग्लादेश की पूर्व पीएम प्रत्यर्पण की मांग के बीच बढ़ाया वीसा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार ने भारत से मांग की है कि वह शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पित कर दे, ताकि उन पर अलग-अलग मामलों में केस चलाया जा सके। इस बीच, भारत सरकार ने शेख हसीना का पासपोर्ट रद्द होने के बाद भी वीजा की समय सीमा को बढ़ा दिया गया है।

भारत सरकार ने बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना का वीजा आगे बढ़ा दिया है। इससे अब यह स्पष्ट हो गया है कि भारत शेख हसीना को बांग्लादेश को नहीं सौंपेगी। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार ने भारत से मांग की है कि वह शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पित कर दें, ताकि उन पर अलग-अलग मामलों में केस चलाया जा सके। इस बीच, भारत सरकार ने शेख हसीना का पासपोर्ट रद्द होने के बाद भी वीजा की समय सीमा को बढ़ा दिया गया है। प्रत्यर्पण की मांग के बीच शेख हसीना के वीजा को बढ़ाकर भारत ने बांग्लादेश की सरकार को बिल्कुल साफ संदेश दिया है कि फिलहाल वह उनका प्रत्यर्पण नहीं करेगा। बांग्लादेश ने दिसंबर के महीने में भारत से उनके प्रत्यर्पण को लेकर आग्रह किया था।

हसीना के खिलाफ दूसरी बार गिरफ्तारी वारंट

बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध अधिकरण ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 11 अन्य लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इनमें पूर्व पुलिस प्रमुख और सेना के जनरल भी शामिल हैं। इन सभी पर कथित जबरन गुमशुदगी के मामलों में भूमिका निभाने का आरोप है। यह दूसरी बार है, जब आईसीटी ने हसीना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

बांग्लादेश के लिए यह फैसला सकारात्मक नहीं: रिजवी

इस मामले में बीएनपी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रूहुल कबीर रिजवी ने कहा कि शेख हसीना का वीजा बढ़ाना भारत का आंतरिक मामला है, लेकिन हमें नहीं पता कि इसके पीछे कोई गलत मंशा है या नहीं। उन्होंने कहा कि एक लोकतांत्रिक देश उस हत्यारे को कैसे शरण दे सकता है और उसका वीजा कैसे बढ़ा सकता है? बांग्लादेश के लोगों ने इसे सकारात्मक रूप से नहीं लिया है।

एक और युवक की हत्या

बांग्लादेश में ताजा घटना में हमलावरों ने इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स व्यवसायी हिंदू युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। यह घटना झालकाठी जिले के रामपुर गांव के बऊकाठी बाजार में हुई। मृतक की पहचान सुधीश हलदार के रूप में हुई है। हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कोलकाता इस्कॉन के उपाध्यक्ष राधारमण दास ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग से कड़ा सवाल किया है कि यह अत्याचार कब थमेगा।

बिधूड़ी को प्रियंका ने दिया जवाब

अपने 'गालों' पर बात नहीं की, ये सब फिजूल की बातें

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा के पूर्व सांसद और दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट से उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी की ओर से की गई विवादित टिप्पणी पर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने चुप्पी तोड़ी है। सांसद प्रियंका ने बिधूड़ी पर तंज कसते हुए उन्हें जवाब दिया और कहा कि यह सब फिजूल की बातें हैं। उन्होंने यह भी नसीहत दी कि दिल्ली चुनाव में मुद्दों पर बात होनी चाहिए। प्रियंका ने मीडिया से बातचीत में बिधूड़ी के बयान पर संक्षेप में जवाब दिया। बिधूड़ी के बयानों को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में प्रियंका ने कहा कि बेतुका बयान है।

फिर हंसते हुए प्रियंका ने तंज कसा और कहा कि अपने गालों के बारे में बात नहीं की उन्होंने। जब उनसे कहा गया कि बिधूड़ी ने अपने बयान पर खेद भी जताया है तो प्रियंका ने कहा, फिजूल की बातें हैं। चुनाव पर चर्चा होनी चाहिए।

'गिद्दा' की प्रस्तुति

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर के एक सरकारी स्कूल में बुधवार को 'लोहड़ी' उत्सव के दौरान पारंपरिक पंजाबी पोशाक पहने स्कूली छात्र और शिक्षक पंजाबी लोक नृत्य 'गिद्दा' प्रस्तुत करते हुए।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने कहा मार्च तक शुरू होगी योजना

यह स्कीम हर तरह की सड़कों पर व्हीकल्स से होने वाले हादसों को कवर करेगी

केंद्रीय मंत्री गडकरी की अहम घोषणा

सड़क हादसों के घायलों को मिलेगा 1.5 लाख रुपए का कैशलेस ट्रीटमेंट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ऐलान किया है कि भारत सरकार मार्च तक रोड एक्सिडेंट पीड़ितों के लिए कैशलेस ट्रीटमेंट देने वाली एक स्कीम शुरू करेगी, जो नेशनल लेवल पर लागू की जाएगी। इसके तहत हादसे के बाद 7 दिन तक पीड़ित 1.5 लाख रुपए तक के मेडिकल ट्रीटमेंट के पात्र होंगे। यह स्कीम हर तरह की सड़कों पर व्हीकल्स से होने वाले हादसों को कवर करेगी। नेशनल हेल्थ अथॉरिटी पुलिस, हॉस्पिटल्स और राज्य स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ मिलकर प्रोग्राम के इंप्लीमेंटेशन की देख-रेख करेगी। यह एक आईटी प्लेटफॉर्म के जरिए ऑपरेट होगा, जो सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के ई-डीटेल्ट एक्सिडेंट रिपोर्ट एप्लिकेशन को एनएचए की ट्रांजैक्शन मैनेजमेंट सिस्टम के साथ मिलाएगा। यह पहल 14 मार्च, 2024 को चंडीगढ़ में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू हुई और बाद में इसे 6 अन्य राज्यों में विस्तारित किया गया। इसका टारगेट हादसे के बाद वक्त पर मेडिकल केयर सुनिश्चित करना है। गडकरी ने देश में ड्राइवर्स के 22 लाख शॉर्टेज पर भी बात की।

ट्रंप ने कनाडा का मैप शेयर कर बताया 'यूनाइटेड स्टेट्स'

भड़के ट्रूडो और मेलानी, संभावना से किया इंकार, कहा- हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने का मूड बना चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने दो मैप शेयर किए हैं। एक में तो पूरे कनाडा को देश का हिस्सा दिखाया गया है। वहीं, दूसरे में उन्होंने कनाडा को लेकर अपने इरादे जाहिर किए हैं। इस पर लिखा है- यूनाइटेड स्टेट्स। ट्रंप ने यह मैप अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किए हैं। इस बीच कनाडा के कार्यवाहक पीएम जस्टिन ट्रूडो ने ट्रंप के सुझाव को खारिज कर दिया और एक्स पर लिखा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि कनाडा अमेरिका का हिस्सा बन जाएगा। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने ट्रंप की टिप्पणी पर कड़ा जवाब देते हुए लिखा कि हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत है। हमारे लोग मजबूत हैं। हम खतरों के सामने कभी पीछे नहीं हटेंगे। ट्रंप ने 'गल्फ ऑफ मेक्सिको' का नाम बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' करने का ऐलान भी किया है।

20 जनवरी से पहले बंधकों को छोड़े हमास

ट्रंप ने मंगलवार को हमास को चेतावनी देते हुए कहा कि 20 जनवरी से पहले अगर बंधकों को नहीं छोड़ा गया तो सब कुछ बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर वे बंधक वापस नहीं आए और वे मेरे शपथ ग्रहण करने तक वापस नहीं आए, तो मिडिल ईस्ट में सब कुछ बिखड़ जाएगा। यह हमास के लिए अच्छा नहीं होगा और सच कहूं तो यह किसी के लिए भी अच्छा नहीं होगा। सब कुछ बर्बाद हो जाएगा।

इसरो ने डॉकिंग की दूसरी बार टाली प्रक्रिया

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक बार फिर सैटेलाइट डॉकिंग एक्सपेरिमेंट को टालने का फैसला लिया है। कारण है कि स्पेस डॉकिंग एक्सपेरिमेंट (स्पाडेक्स) में तकनीकी समस्या आने के चलते गुरुवार को होने वाली सैटेलाइट डॉकिंग एक्सपेरिमेंट को फिर से टाल दिया गया है। इसरो ने बताया कि उपग्रहों के बीच 225 मीटर तक पहुंचने के लिए युद्धाभ्यास करते समय, दृश्यता अवधि के बाद बहाव अपेक्षा से अधिक था। इसलिए कल यानी 9 जनवरी के लिए तय डॉकिंग को स्थगित कर दिया गया है। साथ ही इसरो ने बताया कि उपग्रह सुरक्षित हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वृद्धि दर सरकारी अनुमान से थोड़ा कम है

एनएसओ ने वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया

विनिर्माण क्षेत्र का कमजोर प्रदर्शन बना प्रमुख कारण

एसबीआई के शोध रिपोर्ट में अनुमान जताया गया

चालू वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि सरकारी अनुमान से कम 6.3 प्रतिशत पर रहेगी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश के अग्रणी बैंक एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया कि चालू वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि दर लगभग 6.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो 6.4 प्रतिशत के सरकारी अनुमान से थोड़ा कम है।

एक दिन पहले ही राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर चार साल के निचले स्तर 6.4 प्रतिशत पर रहने का अनुमान जताया है। विनिर्माण क्षेत्र के खराब प्रदर्शन और कमजोर निवेश के कारण वृद्धि दर धीमी होने की बात कही गई।

आरबीआई ने 6.6 फीसदी का अनुमान जताया

इसके पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने दिसंबर में कहा था कि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रह सकती है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शोध रिपोर्ट 'इकोरैप' के मुताबिक, आरबीआई और एनएसओ के अनुमानों के बीच का अंतर हमेशा ही 0.20-0.30 प्रतिशत की सीमा में रहता आया है। लिहाजा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 6.4 प्रतिशत का अनुमान अपेक्षित और उचित है।

जीडीपी की वृद्धि दर का झुकाव नीचे की और

रिपोर्ट कहती है, "हालांकि, हमारा मानना है कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए जीडीपी की वृद्धि दर नीचे की ओर झुकाव के साथ लगभग 6.3 प्रतिशत रह सकती है।" एसबीआई के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष द्वारा लिखित यह रिपोर्ट है।

राजकोषीय घाटा पांच फीसदी पर होगा

हालांकि, यदि सरकार 16.1 लाख करोड़ रुपये के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य पर कायम रहती है तो संशोधित जीडीपी आंकड़ों के लिहाज से राजकोषीय घाटा पांच प्रतिशत पर रहेगा। केंद्रीय बजट में सरकार ने चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 4.9 प्रतिशत तक सीमित रखने का लक्ष्य रखा है।

प्रति व्यक्ति जीडीपी बढ़ने की उम्मीद

रिपोर्ट कहती है कि वास्तविक जीडीपी वृद्धि में सुस्ती और मौजूदा कीमतों पर जीडीपी के आकार में बढ़ोतरी लगभग स्थिर रहने के बावजूद चालू वित्त वर्ष में बाजार मूल्य पर प्रति व्यक्ति जीडीपी में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है।

मांग में सुस्ती बनी हुई है

सकल घरेलू उत्पाद का पहला अग्रिम अनुमान सामान्य रूप से 2024-25 में समग्र मांग में सुस्ती को दर्शाता है। हालांकि, सकारात्मक योगदान देने वाले घटकों में सरकारी खपत शामिल है, जिसमें मौजूदा कीमतों के संदर्भ में 8.5 प्रतिशत (वास्तविक कीमतों के संदर्भ में 4.1 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है। निर्यात ने भी आठ प्रतिशत (वास्तविक कीमतों के संदर्भ में 5.9 प्रतिशत) की सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।

सकल पूंजी निर्माण में सुस्ती है

एसबीआई के अध्ययन में कहा गया है कि मांग का चिंताजनक पहलू सकल पूंजी निर्माण में सुस्ती है, जिसमें पूंजी निर्माण में वृद्धि 2.70 प्रतिशत घटकर 7.2 प्रतिशत रह गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, "कुल मिलाकर स्थिति यह है कि मांग कमजोर बनी हुई है और वित्त वर्ष 2024-25 में 6.4 प्रतिशत का आंकड़ा एक बाहरी सीमा है। वास्तविक वृद्धि निश्चित रूप से अनुमानित आंकड़े से कम है।"

सरकारी व्यय कम हुआ

रिपोर्ट कहती है कि नवंबर, 2024 के अंत में राजकोषीय घाटा 8.5 लाख करोड़ रुपये यानी बजट अनुमान का 52.5 प्रतिशत था। हालांकि, संशोधित जीडीपी आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए, यदि बजट अनुमान के अनुरूप कर प्राप्तियां बढ़ीं, कम पूंजीगत व्यय के कारण सरकारी व्यय कम हुआ, तो चालू वित्त वर्ष में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.9 प्रतिशत रहेगा।

आचार्य किशोर कुणाल (हनुमान भक्त) पर अनर्गल टिप्पणी करना मुख्य मंत्री लालू प्रसाद को पड़ा मंहगा, जाना पड़ा था जेल : अरविन्द पांडेय, पूर्व पुलिस महानिदेशक

मुंबई हलचल/संवाददाता

पटना। वो महावीर मन्दिर में घंटी बजाता है। ऐसे अफसर को या तो कान पकड़ कर निकाल देना चाहिए या जेल भेज देना चाहिए ये अहंकारी अनर्गल आवाज थी वर्ष 1996 के मुख्य मंत्री लालू प्रसाद के जिन्होंने हनुमान भक्त किशोर कुणाल, आईपीएस जो उस समय आईएसएफ के डीआईजी पद पर पटना में पोस्टेड थे ,के बारे में कहा था। हनुमान भक्त किशोर कुणाल के बारे में घोर अपमान जनक टिप्पणी की प्रतिक्रिया ये हुई कि उसी के बाद मुख्य मंत्री लालू प्रसाद के जेल जाने का सुयोग और नियति निर्मित हुई थी। उक्त बातें, विंध्याचल (यूपी) निवासी बिहार के पूर्व पुलिस महानिदेशक अरविन्द पांडेय, आईपीएस (88) ने किशोर कुणाल के जीवन पर आधारित संस्मरणों को साझा करते हुए इस मीडिया से कही। आगे अरविन्द पांडेय ने कहा इस घटना से सिद्ध हुआ कि श्री रामदूत हनुमान जी की महिमा अपरंपार है और आचार्य किशोर कुणाल उनके कृपा पत्र भक्त थे। तभी तो भक्तापराध के कारण मुख्य मंत्री रहते लालू प्रसाद दंडित हुए थे।

ऐसा व्यक्ति बनें जो कुरान की महानता और पवित्र कुरान की शिक्षाओं को अल्लाह के अन्य सेवकों तक पहुंचाए: मौलाना अब्दुल रशीद सलाफी

मुंबई हलचल/मो सालिम आजाद मधुबनी। अल-मारूफ एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट हफीजाबाद गोवा पोखर, मधुबनी बिहार अलहम्दुलिल्लाह द्वारा आयोजित मदरसा सेंटर तहफि ज अल-कुरान में छह बच्चों ने एक साथ कुरान को याद करना पूरा किया। इसी क्रम में मदरसे में कंप्लीट याद करने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों के अभिभावकों और रिश्तेदारों के साथ अन्य अतिथियों ने भी भाग लिया और विशिष्ट अतिथि के रूप में फजीलतुल-शेख उजैर कौसर तैमी मदनी, अल्लाह आशीर्वाद दें उन्हें और उन्हें शांति प्रदान करने के लिए आमंत्रित किया गया और वहां हम सभी के संरक्षक फाज़िला अल-शेख मौलाना अमीर हमजा रियाजी ने भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। कार्यक्रम की शुरूआत मदरसा के

छात्र कमर आलम बिन अशरफ ने कुरान की तिलावत से की उसके बाद हफीजुल्लाह बिन मोहम्मद ने एक कविता से लोगों का मनोरंजन किया उसके बाद छात्र के चाचा मौलाना अब्दुल रशीद सलाफी जो कि हाफिज थे ने कुरान की तिलावत की कुरान की महानता और मानव जीवन में कुरान का पालन करने के महत्व को मौलाना सलीमुल्लाह फैजी साहब ने भी संबोधित किया बाद में विशेष अतिथि फाज़िला अल-शेख उजैर कौसर तैमी मदनी ने स्नातक छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए और बाकी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए एक भाषण दिया उन्होंने एक बैठक में पूरे कुरान का पाठ किया इसकी प्रशंसा की और पाठ करने के बीच के अंतर को समझाया पूरे कुरान को एक बैठक में सर्वोत्तम तरीके से न पढ़ते हुए और प्रार्थनापूर्ण शब्दों के साथ अपना भाषण समाप्त किया हमजा रियाजी साहब ने संक्षेप में अपने शब्द दिए और संस्था के विकास के लिए प्रार्थना की जिसके बाद शिक्षा निदेशक मौलाना दानिश अब्दुल्ला मुहम्मद मारूफ अल-सल्फी ने धन्यवाद के शब्द प्रस्तुत किये जिसमें उन्होंने सबसे पहले दुनिया के अल्लाह को धन्यवाद दिया इसके लिए उन्होंने कार्यक्रम में भाग लेने वाले जिम्मेदार शिक्षकों और माता-पिता और अभिभावकों और सभी अतिथियों को धन्यवाद देने के बाद छात्रों शिक्षकों प्रशासकों और संस्था के लिए प्रार्थना करके अपना भाषण समाप्त किया इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की और आह्वान किया दोपहर की अजान फिर नमाज अदा की उसके बाद स्नातक छात्रों के अभिभावकों अहमदुल्ला बिन अब्दुल्ला अब्दुल रहमान बिन मुहम्मद रिजवान मुहम्मद अरसद बिन अब्दुल शकूर मुहम्मद साहब बिन अब्दुल्ला सलाफी मुहम्मद कमर आलम बिन मुहम्मद सराफ आलम मुहम्मद मोकर्रम बिन मुहम्मद असलम आदि द्वारा दोपहर का भोजन परोसा गय समापन में मुहम्मद और प्रार्थना सभा दानिश अब्दुल्ला मुहम्मद मारुफ सलाफी शिक्षक वगैरह आगे रहा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्या आपके बच्चें भी स्कूल जाने से कतराते है ?

बच्चें अक्सर स्कूल जाने से कतराते है। आपको हमेशा यही सुनने को मिलता होगा की मुझे नहीं जाना स्कूल, मुझे वहां बिल्कुल अच्छा नहीं लगता या फिर पेट, सर दर्द का बहाना। आइए जानते है कि क्या करें जब बच्चा स्कूल न जाएं।

1. बच्चों से पूछें की उन्हें स्कूल में क्या पंसद है क्या नहीं पंसद, उसकी समस्या जानने की कोशिश करें। उसके दोस्तों, सहपाठी, टीचर से भी जरूर बात करें आखिर बच्चा स्कूल क्यों नही आना चाहता।
2. बच्चों से कहे कि स्कूल की अच्छी बातों की एक लिस्ट बनाएं और बुरी बातों की, जिससे आपको यह जानने में मदद होगी कि आपके बच्चें को स्कूल में क्या पेसद है और क्या नहीं पंसद।
3. वह जिस विषय में कमजोर है उसे सिखाने के लिए मनोरंजक तरीके अपनाएं।
4. बच्चों से उनकी मनपंसद बाते करे, उन्हें किन चीजों का शोक है उनसे यह पूछें।
5. उनके लंच बॉक्स में रोज अच्छी अच्छी चीजें बना कर दें।

हद से ज्यादा बाल झड़ रहे हैं, तो आजमाएं ये अचूक उपाय

प्रोटीन बालों के विकास में अहम भूमिका निभाता है। इंसान के बालों में करीब 65 से 95 फीसदी प्रोटीन होता है। बालों के रोम छिद्रों को बनाने, रिपेयर और इसके ऊत्तकों को बनाए रखने के लिए प्रोटीन और अन्य पोषक तत्त्वों जैसे विटामिन और आयरन आदि जरूरी हैं।

मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की क्लिनिकल न्यूट्रीशनिस्ट रितिका समादार के मुताबिक 'उचित मात्रा में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्त्वों से मिश्रित आहार बालों को अंदर से पोषण देता है। जानें कैसे रखें इनका खयाल- दाल व सोया उत्पाद से करें पूर्ति इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के अनुसार एक वयस्क को एक ग्राम प्रति किलो वजन के हिसाब से रोजाना प्रोटीन लेना चाहिए।

जैसे आपका वजन 60 किलो है तो 60 ग्राम प्रतिदिन प्रोटीन की जरूरत है। हाल ही हुए एक उपभोक्ता सर्वे के अनुसार 90 फीसदी भारतीय आवश्यकता से कम प्रोटीन लेते हैं। इसकी कमी पूरी करने के लिए साबुत दालें, हरी, चना व तुअर दाल, सोया उत्पाद, दूध, दही, पनीर, नट्स, कम फैट का मक्खन, मछली और अंडे ले सकते हैं। इसके अलावा बॉयोटिन भी महत्त्वपूर्ण पोषक तत्त्व है जो अनाज, अंडा, सोया व खमीर में पाया जाता है। बदलती जीवनशैली और हैल्दी डाइट न ले पाने से प्रचुर मात्रा में प्रोटीन नहीं मिल पाता। इसकी पूर्ति प्राकृतिक स्त्रोतों से ही करें। सप्लीमेंट लेना बहुत जरूरी हो तो डॉक्टरी सलाह जरूर लें।

बीमारी ऐसी कि महिला को हो गई अपने पति से एलर्जी

29 साल की एक अमेरिकन महिला को जिस बात से एलर्जी है, वो आपको बेहद हैरान कर सकती है। दरअसल, 29 साल की अमेरिकन महिला जोआना वाटकिंस को अपने पति से ही एलर्जी है। जोआना के मुताबिक उन्हें अपने पति के शरीर से एक अजीब सी महक आती है। ऐस अजीब सी महक उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं हैं और यही उनके एलर्जी की वजह है। उन्होंने बताया कि वो ये महक बिल्कुल भी सहन नहीं कर पाती है और वे इस एलर्जी से काफी परेशान हो जाती हैं। एक साल से जोआना और उनके पति अलग-अलग कमरों में सो रहें हैं।

इन वजहों के कारण बेटी हो जाती है मां से दूर!

मां और बेटी का रिश्ता सब रिश्तों से अलग होता है। हर बेटी अपनी मां की परछाई होती है। बेटी हर चीज अपनी मां से ही सिखती है। मां से बढ़कर बेटी के लिए कोई और नहीं होता लेकिन कुछ परिस्थितियां ऐसी पैदा हो जाती है कि बेटी धीरे-धीरे अपनी मां से दूर होने लगती हैं। आज हम आपको ऐसी ही कुछ कारण बताएंगे, जिनके कारण बेटी अपनी मां से दूर हो जाती हैं।

हर बात पर टोकना

कपड़े ऐसे क्यों पहने है, कहां से आ रही हो, किससे बात कर रही, कोई काम कर लिया करो। बेटी को हर बात पर टोकने से उनके मन में गहरा प्रभाव पड़ता है। कुछ भी कहने से पहले उनकी बात जरूर सूने। अगर कॉलेज से लेट आई है तो लेट आने का कारण पूछें ताकि आपका रिश्ता खराब न हो।

बच्चे पर विश्वास न करना

अपनी बेटी पर विश्वास करें। अगर आप उस पर विश्वास नहीं करेगी तो वो आपसे किसी भी बात को शेयर नहीं करेगी। ऐसे में रिश्ते में दूरियां बढ़ जाएगी।

छोटी उम्र में जिम्मेदारियों का एहसास दिलाना

छोटी सी उम्र में बच्ची को घर की जिम्मेदारियों का एहसास करवाना गलत है। ऐसे में बच्ची मां से डर कर घर का काम करना तो शुरू कर देती है लेकिन उसके मन में अपनी मां के लिए हीन भावना पैदा होने लगती है।

कभी प्यार से बात न करना

बेटी से कभी प्यार से बात न करना, उन्हें गले न लगाना। इन बातों से आपकी बेटी आपसे दूर हो जाती है और उन्हें अपनी दोस्त की मां अच्छी लगने लगती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना रनौत ने पकड़ लिया कान

बॉलीवुड एक्ट्रेस से फिल्म निर्माता-निर्देशक बनी कंगना रनौत ने अब राजनीतिक फिल्मों से दूरी बनाने का ऐलान किया है। राजनीति पर आधारित उनकी अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी 17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन उससे पहले ही कंगना रनौत ने बड़ा ऐलान कर दिया है कि वह अब कभी भी राजनीति पर आधारित फिल्म नहीं बनाएंगी। इमरजेंसी फिल्म रिलीज से पहले ही विवादों में आ गई थी, यह फिल्म इंदिरा गांधी के शासनकाल में जारी किए गए आपातकाल पर आधारित है। फिल्म को लेकर कई दिन तक विवाद होता रहा। फिल्म की रिलीज डेट कई बार पोस्टपोन हुई और अब आखिरकार फिल्म रिलीज होने जा रही है। कंगना रनौत की फिल्म रिलीज होने से पहले ही विवादों में घिर गई। इमरजेंसी बनाने के बाद अब कंगना रनौत ने राजनीतिक फिल्मों से तौबा कर ली है। कंगना ने बताया की फिल्म बनाते समय ही उनके सामने मुश्किल आना शुरू हो गई थी। फिल्म जैसे-जैसे आगे बढ़ती गई, मुश्किलों का सिलसिला भी और बढ़ता गया।

श्रद्धा का नया हेयरस्टाइल

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। श्रद्धा कपूर आए दिन अपने लाइफ से जुड़ी अपडेट फैंस के साथ शेयर करती हैं। श्रद्धा कपूर ने बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर दो फोटोज शेयर किए हैं। इन फोटोज में श्रद्धा कपूर ने आखिरकार अपने लंबे बाल कटवा लिए हैं और नई तस्वीरों में अपना नया लुक दिखाया है। श्रद्धा कपूर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी नई मिरर सेल्फी शेयर की, जिसमें उन्होंने अपना नया हेयरस्टाइल दिखाया। वह माथे पर बैंग्स नामक नए हेयरस्टाइल में बेहद प्यारी लग रही हैं। हमेशा की तरह, श्रद्धा ने पोस्ट के साथ एक मजेदार कैप्शन भी लिखा। श्रद्धा कपूर ने कैप्शन में लिखा है कि बाल बाल जच गई। नेटिजेंस ने नए हेयरस्टाइल पर प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रिया दी।श्रद्धा कपूर के फोटोज पर एक यूजर ने लिखा कि बहुत सुंदर, बहुत प्यारा। दूसरे यूजर ने लिखा कि स्त्री की चोटी कट गई, स्त्री 3 कैसे आएगा अब। एक अन्य यूजर ने लिखा कि वह एकमात्र क्रश है, जो कभी नहीं चेंज होगी। एक अन्य प्रशंसक ने टिप्पणी की है कि बहुत बढ़िया लुक है, यह आप पर सूट करता है। श्रद्धा हमेशा अपने सोशल मीडिया पर मौजूदगी से अपने प्रशंसकों को मजेदार कैप्शन के साथ खुश करती हैं।

चहल से तलाक की खबरों पर भड़कीं धनश्री

भारतीय टीम के क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के बीच तलाक की खबरें इस समया काफी ट्रेंड में है। ट्रोलर्स धनश्री को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। जिसके बाद अब उन्होंने चुप्पी तोड़ी है और अपने आलोचकों को जमकर खरी-खोटी सुनाई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया साइट इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी डालकर इस मुद्दे पर ट्रोलर्स पर तीखी प्रक्रिया दी है। अपनी एक पोस्ट में धनश्री ने ऑनलाइन ट्रोल्स को आड़े हाथों लिया। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि वह सच के साथ आगे बढ़ रही हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी ओर से एक स्टोरी पोस्ट कर इन बातों का जिक्र किया गया है। धनश्री ने कहा कि इस मुकाम को हासिल करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की है। अपनी स्टोरी पर धनश्री ने लिखा कि पिछले कुछ दिन मेरे और मेरे परिवार के लिए मुश्किल भरे रहे हैं। सबसे बुरा है फैक्ट चेक के नाम पर बेबुनियाद बातें लिखना। बिना चेहरा दिखाए लोगों ने मेरे चरित्र पर भी उंगली उठाई है। मैंने अपना नाम बनाने के लिए सालों मेहनत की है। उन्होंने आगे कहा कि मेरी खामोशी कमजोरी की निशानी नहीं है, यह ताकत का प्रतीक है। ऑनलाइन नकारात्मकता आसानी से फैल सकती है लेकिन दूसरों का उत्थान करने के लिए साहस और करुणा की जरूरत होती है। मैंने अपने सत्य पर कायम रहते हुए अपने मूल्यों के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया। सत्य हमेशा बिना किसी औचित्य के खड़ा होता है। गौरतलब है कि एक दिन पहले युजवेंद्र चहल की भी कुछ ऐसी ही प्रतिक्रिया देखने को मिली थी। उन्होंने मौन को ही संगीत मान लिया था। चहल ने दार्शनिक अंदाज में अपनी प्रतिक्रिया दी थी।